ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 01 अप्रैल 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 14

अकाउंट आपका, पैसा भी आपका... मगर खर्च करेगी बीवी



नई दिल्लीः मौजूदा समय में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) भारत में डिजिटल पेमेंट का सबसे पॉपुलर तरीका बन गया है. लोग पैसे के लेनदेन के लिए इसका जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं. शॉपिंग मॉल से लेकर किराना की दुकान तक आज यूपीआई का इस्तेमाल लगभग सभी जगह हो रहा है.

आमतौर एक यूपीआई से एक ही शख्स पेमेंट करता है. हालांकि, अब ऐसा नहीं है. दरअसल, हाल में यूपीआई पेमेंट ऐप में यूपीआई सर्कल का एक नया फीचर आया है. इसके जरिए यूजर एक यूपीआई से अकेले ही नहीं, बल्कि कई लोग पेमेंट कर सकते हैं.

यानी इस फीचर्स के जरिए न सिर्फ वह यूपीआई यूजर पेमेंट कर सकता है, जिसने यूपीआई ऐप पर अपना अकाउंट बनाया है, बल्कि उसकी पत्नी और बच्चे भी उसके अकाउंट से पेमेंट कर सकेंगे.आसान भाषा में कहें तो आपके बैंक अकाउंट से दूर रह रहे लोग भी आपके अकाउंट यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे.

इस फीचर के जरिए यूपीआई अकाउंट होल्डर दूसरे लोगों को अपने अकाउंट से पेमेंट करने की अनुमति दे सकता है. इसकी मदद से प्राइमरी यूजर जिसके पास बैंक और यूपीआई अकाउंट है, वह यूपीआई सर्किल बना सकता है और इसमें लोगों को ऐड कर सकता है. यूजर्स इसमें, जितने भी लोगों को ऐड करेगा वे सभी UPI पेमेंट कर सकेंगे.

कितने लोग हो सकते हैं ऐड?

फिलहाल समय में एक UPI से 5 लोग पेमेंट कर सकते हैं. इस फीचर को पिछले साल लॉन्च किया गया था. फिलहाल यूजर्स भीम ऐप के जरिए इस फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं. धीरे-धीरे यह फीचर दूसरे यूपीआई ऐप पर भी उपलब्ध होने लगेगा.

UPI सर्किल में दूसरे लोगों को कैसे करें ऐड?

अगर आप किसी को अपने यूपीआई से पेमेंट करने की अनुमति देना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस शख्स को सेकेंडरी यूजर के तौर पर ऐड कर. इसके लिए आपको सेकेंडरी यूजर का यूपीआई आईडी जोड़ना होगा और अगर किसी को यूपीआई आईडी न पता हो तो आप उसका QR कोड भी स्कैन कर सकते हैं.

फुल पेमेंट या पार्शियल पेमेंट डेलिगेशन

UPI सर्कल में प्राइमरी यूजर के लिए 2 तरह के ऑप्शन उपलब्ध हैं. इसमें सेकेंडरी यूजर को ऐड किया जा सकता है. प्राइमरी यूजर इसके जरिए सेकेंडरी यूजर को फुल पेमेंट डेलिगेशन या पार्शियल पेमेंट डेलिगेशन अधिकार देता है.

अगर प्राइमरी यूपीआई यूजर अपने यूपीआई सर्किल में जुड़ने वाले शख्स को फुल पेमेंट डेलिगेशन के तौर पर परमिशन देता है तो सेकेंडरी यूजर बिना पिन के तय लिमिट तक पेमेंट कर सकेगा. अगर सेकेंडरी यूजर को पार्शियल पेमेंट डेलिगेशन के लिए अनुमति मिलती है तो ऐसे में हर पेमेंट के लिए प्राइमरी यूजर की इजाजत की जरूरत पड़ेगी.

मार्च में सरकार ने 1.96 लाख करोड़ GST वसूला ये सालाना आधार पर 9.9% ज्यादा, FY25 में कुल 19.56 लाख करोड़ कलेक्शन हुआ



24 न्यूज अपडेट

सरकार ने मार्च 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) से 1.96 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सालाना आधार पर इसमें 9.9% की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार 1 अप्रैल को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले यानी मार्च 2024 में सरकार ने 1.78 लाख करोड़ रुपए GST कलेक्ट किया था।

एक महीने पहले यानी जनवरी में सरकार ने GST से 1.84 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे, जो पिछले साल फरवरी के मुकाबले 9.1% ज्यादा था। वहीं, मार्च लगातार 13वां महीना रहा, जब मंथली कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में 19.56 लाख करोड़ रुपए नेट GST कलेक्शन हुआ है।

अप्रैल 2024 में सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ कलेक्शन हुआ था

ग्रॉस टैक्स कलेक्शन के लिहाज से नवंबर महीने में अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन रहा था। इससे पहले अप्रैल 2024 में सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ रुपए GST के रूप में वसूले गए थे। वहीं, अप्रैल-2023 और अक्टूबर-2024 में 1.87-1.87 लाख करोड़ रुपए का GST सरकार ने वसूला था।

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में कल 12 बजे पेश होगा:8 घंटे चर्चा होगी, भाजपा, कांग्रेस, जेडीयू, टीडीपी ने व्हिप जारी किया



वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। NDA को बहस में बोलने के लिए 4 घंटे 40 मिनट का समय मिला है। बाकी के वक्त विपक्ष के नेता बोलेंगे।

बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (BAC) ने जब इस बात की जानकारी दी। विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा।

हालांकि, विपक्ष ने BAC की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया।

लोकसभा में बहस के लिए भाजपा, कांग्रेस, जेडीयू, टीडीपी समेत पार्टियों ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया।

JDU और TDP के सुझाव सरकार ने माने

दोनों पार्टियों ने वक्फ संशोधन बिल पर 3 सुझाव दिए थे। सरकार ने सभी को मान लिया है।

कानून को पिछली तारीख से लागू नहीं करना चाहिए।

पुरानी मस्जिद, दरगाह या दूसरे मुस्लिम धार्मिक स्थान से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।

जमीन राज्यों को विषय है। जमीन पर राज्यों की स्पष्ट राय भी ली जाए।

संसदीय कार्य मंत्री बोले- देश जानना चाहता है किसका क्या स्टैंड

भाजपा ने व्हिप जारी कर अपने सांसदों को सदन में पूरे समय मौजूद रहने को कहा है। वहीं, कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को बजट सत्र के बाकी बचे तीनों दिन सदन में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी किया है।

संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि हम बिल पर चर्चा चाहते हैं। सभी राजनीतिक दलों को इस पर बोलने का अधिकार है। देश भी जानना चाहता है कि किस पार्टी का क्या स्टैंड है। अगर विपक्ष चर्चा में शामिल नहीं होना चाहता तो हम उन्हें रोक नहीं सकते

सोना पहली बार 91 हजार के पार:91 दिनों में 14,953 महंगा, 94 हजार तक जाने का अनुमान; महंगाई और मार्केट उतार-चढ़ाव का असर



24 न्यूज अपडेट

सोना ने आज यानी 1 अप्रैल को ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,951 रुपए बढ़कर 91,115 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 89,164 रुपए पर था। हालांकि चांदी के दाम में आज गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत 1,251 रुपए गिरकर 99,641 रुपए प्रति पर आ गई है। इससे पहले चांदी का भाव 1,00,892 रुपए प्रति किलो पर था।

भाजपा के नए अध्यक्ष की घोषणा इसी महीने:अगले हफ्ते प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव पूरा होगा, मोदी-भागवत की मुलाकात के बाद कवायद तेज



भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष इसी महीने मिल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागपुर दौरे के बाद चुनावी प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक 30 मार्च को मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की मुलाकात में नए अध्यक्ष के नाम पर चर्चा हुई है।

मोदी के नागपुर से लौटने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री ने वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष से राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पर चर्चा की।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने नड्डा और बीएल संतोष से कहा है कि इसी महीने भाजपा अध्यक्ष का चुनाव पूरा करें। भाजपा ने अब तक 13 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 19 राज्यों में चुनाव पूरे करने जरूरी हैं।

सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते तक उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत बाकी बचे अधिकांश राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। यानी 50 प्रतिशत राज्यों के चुनाव पूरा होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकेगा।

फिलहाल केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा पार्टी के अध्यक्ष

जेपी नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और जनवरी 2020 में वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उनका कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। अब जब वे केंद्रीय मंत्री बन चुके हैं, तो पार्टी को नया अध्यक्ष चुनना है।

भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए पार्टी का संविधान

भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने के लिए एक तय नियम और प्रक्रिया है। इन्ही नियमों को पूरा करने में हुई देरी के चलते अब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका है।

PM बनने के सवाल पर योगी का जवाब राजनीति मेरे लिए फुल टाइम जॉब नहीं; केंद्र से मतभेद होता तो यहां नहीं बैठ पाता



24 न्यूज अपडेट

'राजनीति मेरे लिए फुल टाइम जॉब नहीं है। इसकी भी एक समय सीमा होगी। केंद्रीय लीडर्स के साथ मेरा कोई मतभेद नहीं है। मतभेद होता तो यहां नहीं बैठा होता। पार्टी के कारण ही मैं यहां बैठा हूं। मैं खुद को विशेष भी नहीं मानता हूं।

सड़कें चलने के लिए हैं और जो ऐसा कह रहे हैं कि सड़क पर नमाज पढ़ना है तो उन्हें हिंदुओं से अनुशासन सीखना चाहिए। प्रयागराज में 66 करोड़ लोग आए। कहीं लूटपाट ,आगजनी ,छेड़छाड़, तोड़फोड़ नहीं हुई। यही धार्मिक अनुशासन है।

CM योगी ने ये बातें समाचार एजेंसी PTI को दिए इंटरव्यू में कहीं। इस दौरान योगी ने हर सवाल का जवाब दिया।

सवालः एक बड़ा तबका आपको कभी न कभी प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता है?

जवाबः राजनीति मेरे लिए फुल टाइम जॉब नहीं है। फिलहाल, हम यहां काम कर रहे हैं। मगर असल में मैं एक योगी हूं। जब तक हम यहां हैं, हम काम कर रहे हैं। इसकी भी एक समय सीमा होगी।

सवालः क्या केंद्रीय नेताओं के साथ आपके मतभेद हैं?

जवाबः मतभेद होने की बात कहां से आ जाती है। पार्टी के कारण ही मैं यहां बैठा हूं। केंद्रीय नेताओं के साथ मतभेद करके क्या मैं यहां बैठा रह सकता हूं? टिकट का वितरण पॉर्लियामेंट्री बोर्ड करता है। पॉर्लियामेंट्री बोर्ड में सबके विषय में चर्चा होती है। स्क्रीनिंग के माध्यम से वहां सबके बारे में बातें पहुंचती हैं।

सवालः वक्फ बिल किसी प्रकार का विरोध पैदा कर सकता है?

जवाबः जो इस मुद्दे पर हंगामा कर रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या वक्फ बोर्ड ने कोई कल्याण किया है? सब कुछ छोड़िए, क्या वक्फ ने मुसलमानों का भी कोई कल्याण किया? वक्फ निजी स्वार्थ का केंद्र बन गया है।

यह किसी भी सरकारी संपत्ति पर जबरन कब्जा करने का जरिया बन गया। सुधार समय की मांग है। हर अच्छे काम का विरोध होता है। इसी तरह वक्फ संशोधन विधेयक पर भी हो-हल्ला हो रहा है। बिल का लाभ देश के मुसलमानों को भी मिलेगा।

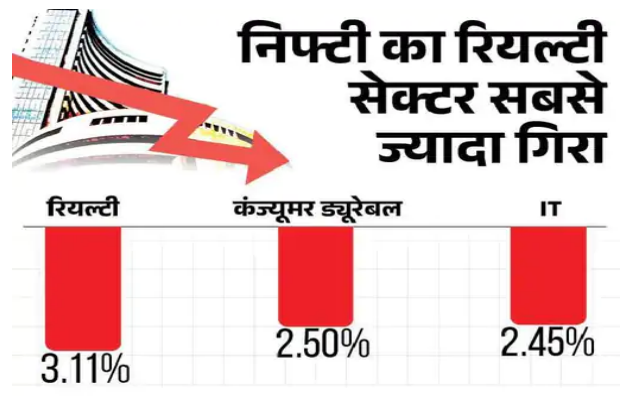
सवालः हिंदी ही क्यों नेशनल इंटीग्रेशन की भाषा बन सकती है?

जवाबः UP में हम तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली और मराठी पढ़ा रहे हैं। इससे UP क्या छोटा हो गया है? UP में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जो लोग अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के कारण इस भाषा विवाद को पैदा कर रहे हैं, वे अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं, मगर वे एक तरह से युवाओं के रोजगार पर हमला कर रहे हैं।

ताजिया का साइज छोटा करो...

सीएम योगी ने कहा- ताजिया का साइज छोटा करो, वरना हाइटेंशन लाइन की चपेट में आओगे तो मर जाओगे। कांवड़ यात्रियों से भी बोलते हैं कि डीजे का साइज छोटा करो। जो नहीं करता है, उसके खिलाफ एक्शन लेते हैं। कानून सबके लिए बराबर है। नमाज पढ़ने के नाम पर आप घंटों सड़क जाम करेंगे? नमाज पढ़ने की जगह ईदगाह और मस्जिदें हैं, सड़क नहीं।

सेंसेक्स में साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट:1390 अंक नीचे 76,024 पर बंद, निफ्टी 353 लुढ़का; रियल्टी और IT सेक्टर सबसे ज्यादा टूटे



24 न्यूज अपडेट

वित्त वर्ष 2025-26 के पहले कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार (1 अप्रैल) को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 1390 अंक (करीब 1.80%) गिरकर 76,024 के स्तर पर बंद हुआ।

यह इस साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सेंसेक्स में 28 फरवरी को 1414 (1.90%) अंक की गिरावट रही थी। निफ्टी में भी करीब 353 अंक (करीब 1.50%) की गिरावट रही, ये 23,165 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट रही। HCL टेक, बजाज फिनसर्व, HDFC बैंक, बजाज फाइनेंस और इंफोसिस में सबसे ज्यादा करीब 4% गिरकर बंद हुए। NSE के 50 शेयरों में से 36 में गिरावट रही।

सेक्टोरल इंडाइसेज की बात करें तो रियल्टी में 3.11%, कंज्यूमर ड्यूरेबल में 2.50%, IT में 2.45%, फार्मा में 1.73% और प्राइवेट बैंक में 1.21% की गिरावट रही।

संपादकीय : हादसों की पटरी

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि आगे ऐसे इंतजाम किए जाएं ताकि देसी घटना दोबारा न हो । मगर विडंबना है कि लगभग एक ही प्रकृति के हादसों का सिलसिला बना रहता है। सरकार की ओर से आगे सब ठीक करने के आश्वासन से ज्यादा कुछ भी ठोस सामने नहीं आता। पिछले कुछ वर्षों से देश भर में रेल हादसों की जैसी खबरें आ रही हैं, उससे यही लगता है कि रेल सुरक्षा को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और कभी भी किसी दुर्घटना की खबर आ सकती है। सवाल है कि अगर देश के अलग-अलग हिस्सों में आए दिन रेलगाड़ियां हादसों का शिकार हो रही हैं, तो उसके लिए किसकी जवाबदेही बनती है और उसमें सुधार के लिए ठोस उपाय करने की जिम्मेदारी किसके कंधे पर है। गौरतलब है कि ओड़ीशा के कटक जिले के निर्गुड़ी में रविवार को बंगलुरू-कामाख्या एसी एक्स्प्रेस के ग्यारह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। और अन्य कई लोग घायल हो गए। हो सकता है कि कटक में हुई दुर्घटना में जानमाल का ज्यादा नुकसान न होना राहत की बात मानी जाए, लेकिन ग्यारह डिब्बों का पटरी से उतरना एक गंभीर घटना ही है। सच यह है कि एक छोटी चूक या लापरवाही की वजह से बहुत सारे लोगों की जान पर बन आती है और इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें ट्रेन हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। ऐसे हर हादसे के बाद सरकार की ओर से जांच और कार्रवाई करने की बात कही जाती है, लेकिन सवाल है कि चलती ट्रेन के पटरियों से उतरने और उससे उपजे जोखिम से यात्रियों को कब मुक्ति मिलेगी। लोग कब इस आशंका से पूरी तरह मुक्त होकर किसी ट्रेन से सफर करेंगे कि वह हादसे का शिकार न हो और वे सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं? अक्सर ऐसी खबरें सुर्खियों में होती हैं, जिनमें बताया जाता है कि रेलवे विभाग जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने वाला है। इस तरह के सरकारी दावों के बरक्स हकीकत यह है कि आए दिन किसी ट्रेन के पटरी से उतर जाने की खबर आती है, तो कभी किसी अन्य हादसे की अगर दुर्घटना को लेकर लोगों के भीतर किसी तरह का केवल डर भी बैठता है, तो इसका कारण लगातार होने वाले रेल हादसे ही होते हैं। जितने दावे नई और तमाम सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेनें चलाने के किए जाते हैं, उतना ही ध्यान अगर ट्रेनों के संचालन, बुनियादी ढांचे के विकास और उसके मजबूत करने पर दिए जाएं, तो शायद हादसों को कुछ लगाम दिया जा पाता । विचित्र है कि ट्रेनों की रफ्तार और उनके बोझ में तो लगातार इजाफा हो रहा है, मगर उसी मुताबिक पटरियों की गुणवत्ता और व्यवस्थागत पहलू को भी बेहतर करना जरूरी नहीं समझा जाता। सवाल है कि सिर्फ इस मामले में बरती जाने वाली उपेक्षा की वजह से अगर कोई रेलगाड़ी पटरी से उतर जाती है और हादसा हो जाता है, तो क्या सिर्फ जांच और कार्रवाई के आश्वासन के जरिए इस समस्या से पार पाया जा सकता है ? आधुनिक शक्ल और महंगे किराए वाली ट्रेनें चलाने के बीच आए दिन छोटे-बड़े हादसे सामने आ रहे हैं और दूसरी ओर, भारतीय रेल महकमे में बड़ी तादाद में रिक्तियां पड़ी हुई हैं। सवाल है कि अगर सरकार ट्रेन हादसों पर लगाम लगाने का भरोसा देती भी है, तो लचर बुनियादी ढांचे और पदों के खाली रहने की स्थिति में उसका आधार क्या होगा ?

तैनाती और भ्रष्टाचार

नौकरशाही को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त करने की सिफारिशें लंबे समय से की जाती रही हैं। मगर इस दिशा में किसी भी सरकार ने गंभीरता से पहल नहीं की। यह परिपाटी-सी बन गई है कि जब भी सरकार बदलती और कोई दूसरा दल सत्ता की कमान संभालता है, तो बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए जाते हैं। हर राजनीतिक दल सत्ता संभालने के साथ ही अपने करीबी और भरोसेमंद अधिकारियों को जिम्मेदार पदों पर पदस्थ करता और उन्हें लंबे समय तक वहां बनाए रखने का प्रयास करता है। अब संसद की एक स्थायी समिति ने कहा है कि अधिकारियों को लंबे अरसे तक एक ही जगह पदस्थ किए रखने से भ्रष्टाचार बढ़ता है। कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से संबंधित चालू वर्ष की अनुदान मांगों पर अपनी रपट पेश करते हुए कहा कि अधिकारियों की बारी-बारी से स्थानांतरण की प्रचलित नीति लागू की जानी चाहिए । संसदीय समिति ने अपनी जांच में पाया कि कुछ अधिकारी आठ-नौ वर्षों से एक ही मंत्रालय में जमे हुए कुछ अधिकारियों ने अपनी तैनाती में कुछ इस तरह चतुराई दिखाई है कि उनका पूरा कार्यकाल एक ही मंत्रालय में बीता है। करीब पंद्रह वर्ष पूर्व जब अधिकारियों की थोड़े- थोड़े समय पर तबादलों की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंगुलियां उठनी शुरू हुई थीं, तब प्रशासनिक आयोग ने सिफारिश की थी कि किसी भी अधिकारी का तबादला तीन वर्ष से कम समय में न किया जाए, ताकि वे एक स्थान पर रह कर कुछ बेहतर काम कर सकें। मगर अब इसके उलट प्रवृत्ति विकसित हुई देखी जा रही है, तो यह भी चिंता का विषय है निस्संदेह कुछ अधिकारी ईमानदारी और संजीदगी से काम करते हैं और उनका एक जगह लंबे समय तक बने रहना लाभदायक साबित होता है। मगर संसदीय समिति की इस बात को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता कि एक ही जगह लंबे समय तक बने रहने वाले अधिकारी अनियमितताओं में लिप्त हो जाते हैं। अगर बारी-बारी से अधिकारियों के तबादले की नीति रही है, तो उसका पालन करने में सरकारों को क्यों गुरेज होना चाहिए।

यूडी टेक्स का 'जश्न' कहीं लगान वसूली जैसा तो नहीं?? प्राइवेट हाथों की 'पगड़ी का प्रशासनिक जश्न' किसको आया रास???



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। आज नगर निगम से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं जिसमें यूडी टैक्स कलेक्शन के जश्न की खुशी और आयुक्त साहब का पगड़ी पहना कर स्वागत का उल्लास झलकता दिखाई दिया। यह जश्न लक्ष्य के मुकाबले 109.88 प्रतिशत ज्यादा टेक्स वसूली का था। टैक्स कलेक्शन के नए कीर्तिमानों के इस जश्ने-खास ने कई सवाल खड़े किए हैं। परसेप्शन यह बनाया जा रहा है कि टैक्स वसूल में कहीं जरूरत से ज्यादा सख्ती तो नहीं की गई? नियमों को तोड़ मरोड़ कर तो वसूली नहीं की गई? वसूली के इस जश्न को पब्लिक सपोर्ट नहीं होना साफ जाहिर कर रहा है कि अब उन बिंदुओं पर चर्चा की खास जरूरत है जो चर्चा में पीछे छूट गए। सरकारी मशीनरी ने राजनेताओं की अनुपस्थिति में निजी मशीनरी के साथ मिलकर जो टेक्स वसूली का कीर्तिमान रचा, उसमें शहरवासियों के क्या दुख-दर्द और गिले-शिकवे रहे, उन पर भी खुलकर बात होनी चाहिए। इन चमकती पगड़ियों के पीछे किसी को लगान वसूली जैसी फीलिंग तो नहीं आ रही है? काई टेक्स चुकाने के लिए कर्जे में तो नहीं डूब गया। किसी ने अपनी इज्जत बचान के लिए रातों-रात बरसों की मेहनत की कमाई को दांव पर तो नहीं लगा दिया? जो लोग आम जनता से बेरूखी से पेश आए, जिन्होंने गेटआउट जैसे शब्दों का प्रयोग कर कलेक्टर बनने के ख्वाब संजोए, अपने चेम्बर में आत्म प्रशंसा में तल्लीन होकर ताने बाने बुने, चर्चा आज उन पर भी हो रही है।

विसंगतियों का भरपूर फायदा उठाया

यूडी टेक्स की वसूली के नियम विसंगतियों का पिटारा है। इसका भी पूरा फायदा उठाया गया। रेजिडेंशियल प्लॉट में कुल एरिया 27 सौ वर्गफीट से उपर है तो टेक्स लगता है। उसमें भी अगर आप वन टाइम टेक्स दे चुके हैं व निर्माण का कुल एरिया चेंज होता है तब यूडी टेक्स का डंडा वापस चालू हो जाता है। यह पहली बार पता चला। फार्मूले में निर्माण के क्षेत्र का उल्लेख ही नहीं है। यदि कहीं पर होगा तो वह सार्वजनिक क्यों नहीं है?? कॉमर्शियल के मामले में प्लाट या निर्माण का कुल एरिया 900 वर्गफीट से ज्यादा है तो टेक्स लगेगा मगर यहां केवल वसूली के लिए शहर के भीतरी इलाकों में मौजूद दायरे से बाहर आने वाली हवेली व छोटी दुकानें जो बरसों पहले बिक चुकी हैं, वे भी एक यूनिट में शामिल कर टेक्स की जद में ला दी गईं। सिंधी बाजार को 100 फीट रोड बता कर वसूली का नोटिस दे दिया गया व वसूल भी कर लिया गया। नियमों में विसंगतियों व कमियों का ऐसा ताना बाना रहा कि जनता डर के मारे व पगड़ी व पेढ़ी बचाने के लिए टेक्स का पैसा लेकर दौड़ी चली गई निगम के ऑफिस व जमा करवा कर निजात पाई। मन में डर रहा कि कहीं रात को सोकर उठे व सुबह दुकान सीज नहीं मिले। रोजगार संकट में ना आ जाएं। घर का राशन संकट में ना जा जाए। यह सब 2007 से अब तक नहीं हुआ था। यदि अब हुआ है तो क्या इसे जनता की नजरों में उपलब्धि कहा जाएगा??? अब इस वसूली की किसी विश्वसनीय संस्थान से पब्लिक ऑडिट करवाई जानी चाहिए ताकि दूध का दूध व पानी का पानी हो सके। यह भी सामने आ सके कि टेक्स किन पर बनता था, कितना व क्यों बना। केलकुलेशन का क्या मैथड रहा। वसूली के मापदंड क्या रहे? जिन्होंने अब तक नहीं वसूला उन पर क्या कार्रवाई की गई? कितनी बार व कब-कब नोटिस दिया गया। नोटिसों में समयांतराल कितना व क्या संगतिपूर्ण था? आदि के पारदर्शी जवाब अब निगम को दे ही देने चाहिए।

ऑनलाइन खुलासा क्यों नहीं

सबसे पहला सवाल यह उठ रहा है कि आखिर प्रचारित की गई सख्ती और कथित पारदर्शिता के बावजूद नगर निगम की ओर से टेक्स बकायादारों की सूची सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? क्या अब की जाएगी या फिर किसी पोल के खुलने के डर से शायद कभी नहीं की जाएगी? जनता को यह जानने का हक है कि किसका कितना टेक्स कब से बकाया है? कार्रवाई के लिए नामों का चयन किस वरीयता के आधार पर किसने व कब व किस फार्मूले के आधार पर किया? यदि किया तो क्या सबका किया, यदि सबको किया व व्यवस्था पारदर्शी है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि पगड़ी वाले इसी जश्न की अगली कड़ी में सभी आंकड़े भी सार्वजनिक कर देंगे ।

क्यों किया इस काम को आउटसोर्स

टेक्स वसूली नगर निगम का आधारभूत काम है। सवाल उठ रहा है कि इसको आउटसोर्स क्यों किया गया। यदि तकनीकी अनुभव वाले इंजीनियर्स निगम में पहले से मौजूद हैं तो फिर उनकी देखरखे व उनकी ही अंतिम जिम्मेदारी में यह काम अंतिम रूप से संपन्न क्यों नहीं हुआ। एजेंसी के लोगों की कार्मिक व शैक्षणिक योग्यता भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। एक और शिकायत यह रही कि एजेंसी वालों ने भी पता नहीं किस बेक सपोर्ट के चलते लोगों को उस मृदु मनोभाव का प्रदर्शन नहीं किया जिसकी अपेक्षा की जा रही थी। हर कार्रवाई के बाद आंकड़े ऑनलाइन नहीं करना सबसे बड़ी चूक रही। अब सवाल आता है राजनीति का। वही मशीनरी, वही लोग थे तो उन्होंने वसूली में राजनीतिक छत्रछायां के प्रभाव के चलते वसूली में जो अपनापन दिखाया क्या उस पर सवाल नहीं उठने चाहिए?? इसके मायने तो यही हुए कि एक नया मॉडल सामने लाया जा रहा है कि राजनीति के चलते ही टेक्स वसूली में परेशानी हो रही थी। तब निगम में बोर्ड की जरूरत ही क्या है? क्योंकि उसके नहीं होते हुए भी आर्थिक तरक्की तो हो ही रही है जो कि चमकते आंकड़ों व उपलब्धियों का प्रमुख पैमाना है। यदि राजनीति के चलते अफसरों ने काम नहीं किया व एजेंसी सुस्त बैठी रही तो उन पर भी भारी पेनल्टी व पनिशमेंट का प्रावधान होना चाहिए।

कितना टेक्स जुटाया

नगर निगम ने मार्च 2025 तक 17 करोड़ रुपये टैक्स वसूलने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 18.68 करोड़ रुपये की वसूली कर लक्ष्य का 109.88प्रतिशत पूरा किया। मार्च के अंत में ही 9 करोड़ रुपये वसूले गए जो कुल लक्ष्य (17 करोड़) का 52.94 प्रतिशत ही था। जनवरी से मार्च के बीच सख्त कार्रवाई व लगातार सीजिंग के बाद 14.68 करोड़ की अतिरिक्त वसूली हुई, जिससे लक्ष्य से अधिक टैक्स संग्रह हुआ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास की हालत नाजुक:90% झुलसी, डॉक्टर बोले- ब्रेन हेमरेज भी हुआ; भाई ने कहा- सिर्फ ICU में भर्ती



24 न्यूज अपडेट

कांग्रेस की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास की हालत नाजुक बनी हुई है। गणगौर पूजन के दौरान वह 90 प्रतिशत झुलस गईं। डॉक्टर ने कहा- ब्रेन हेमरेज भी हुआ। फिलहाल उन्हें अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। हॉस्पिटल के बर्न स्पेशलिस्ट डॉ. गिरीश अमलानी ने स्थिति गंभीर बताते हुए कहा कि व्यास 90% झुलसी है। गिरने से सिर में चोट लगने के कारण ब्रेन हेमरेज भी हुआ है। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है और गंभीर स्थिति के कारण अभी सर्जरी भी संभव नहीं है।

गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने ब्रेन हेमरेज और वेंटिलेटर की बात से इनकार किया है। उन्होंने कहा- दीदी सिर्फ ICU में भर्ती है। हमारे लिए वो मां-बाप सब कुछ है, बस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने भी गिरिजा व्यास की सेहत को लेकर उनके परिवार से बात की है और जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

रामनवमी पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा: सजाएंगे साढ़े तीन किमी की रंगोली, लहराएगी पांच हजार भगवा झंडियां



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुरः रामनवमी पर इस बार भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी. श्रीरामोत्सव आयोजन समिति शहर को भगवा झंडियों के साथ ही रंग-बिरंगी फरियों से सजा रही है. शहर की सड़कों पर साढ़े तीन किमी लंबी रंगोलियां सजाई जाएगी. भव्य शोभायात्रा में घोड़े, बग्गियों के साथ जीवंत झाकियां भी होगी.

श्रीरामोत्सव आयोजन समिति के सचिव भूपेंद्र पालीवाल ने बताया कि इस बार 6 अप्रैल को श्रीरामनवमी को भव्य बनाने की तैयारी है. शहर में शोभायात्रा की तैयारियां शुरू कर दी गई. जिस मार्ग से शोभायात्रा निकलेगी, उसे पांच हजार से ज्यादा भगवा झंडियों से सजाया जा रहा है. शहर में कई जगह भगवा रंग के तोरण सजा रहे हैं. उसी मार्ग की सड़कों पर 3.5 किमी लंबी रंगोली बनाई जाएगी. रंगोली बनाने में 1000 लीटर कलर इस्तेमाल किया जाएगा. शहर की महिलाएं, युवा ओर बच्चे रंगोली बनाने में जुटेंगे. भूपेंद्र पालीवाल ने बताया कि गेपसागर की पाल पर कुटिया के साथ भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत और भगवान हनुमान की जीवंत झाकियां सजाई जाएगी. शोभायात्रा बादल महल से रवाना होगी, जिसमें 31 घोड़े, 21 बग्गियां शामिल होगी. शहर में अलग अलग जगहों पर 100 से ज्यादा स्वागत गेट लगेंगे. 50 से ज्यादा डीजे और बैंड शामिल होंगे. गांवों से भी लोग शोभायात्रा में आएंगे. शोभायात्रा के बाद गेपसागर की पाल पर महाआरती व अन्य कार्यक्रम होंगे. बादल महल पर महाप्रसादी होगी.

जिंक स्मेल्टर और गोवला को निगम में शामिल करने पर भड़के ग्रामीण, कलेक्ट्री पर जताया विरोध



24 न्यूज अपडेट

नगर निगम की सीमा क्षेत्र विस्तार के तहत शहर के आस पास की ग्राम पंचायतों को नगर निगम में जोड़ा जा रहा है। इसका पंचायतों के प्रतिनिधि विरोध कर रहे हैं। मंगलवार को जिंक स्मेल्टर के ग्राम वासियों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर पंचायत को नगर निगम में शामिल करने का विरोध प्रदर्शन किया। पंचायत के उदय सिंह देवड़ा ने बताया कि ग्राम पंचायत जिंक स्मेलटर 2015-16 में ही अस्तित्व में आई थी। ग्राम पंचायत की अधिकता जनसंख्या काश्तकार है और जो टीएसपी से संबंध रखती है। ऐसे में अगर नगर निगम में ग्राम पंचायत शामिल होती है तो ग्राम वासियों को टीएसपी का लाभ नहीं मिलेगा। पंचायत को नगर निगम में शामिल किया जाता है तो गरीब व्यक्ति को काफी असुविधा होगी। जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ग्राम पंचायत जिंक स्मेल्टर राजस्व गांव गोवला को नगर निगम में शामिल नहीं करने की मांग की है। जिस पर जिला कलेक्टर ने उचित आश्वासन ग्राम वासियों को दिया।

राज्य पावरलिफ्टिंग में उदयपुर ने जीते दो स्वर्ण, दो रजत व दो कांस्य सहित 6 पदक जीते



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। धौलपुर के भगवान परशुराम सेवा सदन सभागार में संपन्न हुई 13वीं राजस्थान राज्य जूनियर, सब जूनियर एवं मास्टर पुरुष एवं महिला क्लासिक पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में उदयपुर टीम ने दो स्वर्ण , दो रजत एवं दो कांस्य पदक सहित कुल 6 पदक जीते; जिला पावरलिफ्टिंग संघ उदयपुर के सचिव विनोद साहू ने बताया कि जूनियर महिला वर्ग में 57 किलोग्राम भार वर्ग में माही चौहान ने कुल 287.5 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता स वही 66 किलोग्राम मास्टर टू वर्ग में प्रदीप सिंह झाला ने कुल 310 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता स 47 किलोग्राम जूनियर महिला वर्ग में रिया मोची ने 197.5 किलो वजन उठाकर रजत पदक जीता स सब जूनियर बालक वर्ग में 120 किलो से अधिक भार वर्ग में रजत मीणा ने 295 किलो वजन उठाकर रजत पदक जीता; जूनियर महिला वर्ग में 76 किलोग्राम भार वर्ग में मीमांशा जोशी ने 240 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। सब जूनियर 63 किलोग्राम बालिका वर्ग में माही मीणा ने 190 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। इस तरह उदयपुर टीम ने दो स्वर्ण , दो रजत एवं दो कांस्य पदक सहित कुल छह पदक जीते स सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को राजस्थान राज्य पावर लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष दिनेश श्रीमाली , महासचिव देवेंद्र साहू , इंटरनेशनल खिलाडी गौरव साहू , चंद्रेश सोनी ने पदक जीतने पर बधाई एवं शुभकामनाये दी है।

इस्कॉन कोवे का तीन दिवसीय रामनवमी महोत्सव 4 से, मुम्बई के शुद्ध सेवक प्रभु करेंगे राम कथा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, अन्तर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ इस्कॉन कोवे मोहनपुरा चिरवा की ओर से 4 से 6 अप्रैल तक तीन दिवसीय श्री राम कथा परमानन्द गार्डन,सौ फिट रोड सौभाग पुरा मे होगी। निर्माणाधीन गन्धर्विका गोवर्धनधारी मन्दिर के प्रोजेक्ट डाइरेक्टर मदन गोविंद प्रभु ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर 4 और 5 अप्रैल को सायंकाल 6:30 से 8:30 तक जबकि 6 अप्रैल को प्रातः 9:30 से 11:30 तक श्री राम कथा मे धर्म भक्ति प्रेम भाईचारा तथा सत्य पर आधारित सारगर्भित प्रवचन देने के लिए मुम्बई से शुद्ध सेवक प्रभु जी पधार रहे है। रामनवमी को कीर्तन कथा पश्चात भगवान श्री राम का पुष्पाभिषेक कर भक्तो के हाथो से निर्मित 56 भोग प्रसाद धराया जायेगा। मदन गोविंद प्रभु के अनुसार नाथद्वारा रोड मे मन्दिर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसमे आश्रम लगभग तैयार हो गया जिसका जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर शुभारंभ होने की संभावना है।कथा पश्चात सभी भक्तो के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

JEE MAIN 2025: 2 अप्रैल से परीक्षा, देवी-देवताओं के ताबीज या डोरे सहित ये चीजें लेकर गए, तो नहीं मिलेगा प्रवेश



24 न्यूज अपडेट

कोटाः देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन (JEE MAIN 2025) का दूसरा सेशन 2 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है. इसके लिए एडमिट कार्ड पहले ही कैंडिडेट को जारी कर दिए गए थे. जिसमें परीक्षा के पहले, दौरान और बाद के दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं. कैंडीडेट्स की ड्रेस कोड और पूरी एग्जाम की गाइडलाइन भी जारी की गई है. कोटा शहर में भी चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं. इनमें एक रानपुर, दूसरा गोबरिया बावड़ी, तीसरा विश्वकर्मा सर्किल के नजदीक और चौथा इंद्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया में है.

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के राजस्थान कोऑर्डिनेटर इंजीनियरिंग डॉ प्रदीप सिंह गौड़ का कहना है कि कैंडिडेट्स के लिए एग्जाम सुबह की पारी में 9 से 12 और दोपहर में 3 से 6 के बीच आयोजित होगी. ऐसे में सुबह की पारी में 7 बजे से कैंडिडेट को प्रवेश दिया जाएगा और 8:30 बजे प्रवेश बंद कर दिया जाएगा. शाम की पारी में प्रवेश 1:00 बजे से शुरू होगा और 2:30 बजे बंद हो जाएगा. ऐसे में कैंडिडेट समय सीमा का ध्यान रखते हुए ही पहुंचें. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा को ध्यान में रखते हुए कई पाबंदियां भी लगाई हैं और कई वस्तुओं को प्रतिबंधित भी किया है. कैंडिडेट इन्हें परीक्षा केंद्र पर लेकर पहुंचता है, तो उन्हें प्रवेश नहीं मिलेगा. इसीलिए चार पेज के एडमिट कार्ड और उसमें दिए गए दिशा-निर्देश को ठीक से पढ़कर नियमों की पालना करें.' एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार कैंडिडेट को परीक्षा के दिन ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म में अपलोड किया हुआ फोटो आईडी कार्ड साथ लेकर जाना जरूरी है. नॉन आधार कैंडिडेट्स को डिक्लेरेशन फॉर्म भरकर ले जाना होगा. यह एडमिट कार्ड के साथ कैंडिडेट को दिया गया है. दूसरी तरफ एग्जाम पूरा हो जाने के बाद मिली हुई रफ पेपर वर्कशीट और एडमिट कार्ड को ड्रॉपबॉक्स में डालना है. ऐसा नहीं करने वाले कैंडिडेट्स की ओएमआर शीट की जांच नहीं होगी.

एआई रखेगा मॉनिटरिंग, 11 लाख देंगे एग्जामः देव शर्मा ने बताया कि देश के 121 इंजीनियरिंग व तकनीकी संस्थानों की 59937 बीई और बीटेक सीट पर एडमिशन के लिए परीक्षा आयोजित की जा रही है. यह परीक्षा 15 विदेशी केंद्रों को मिलाकर 304 शहरों के 618 परीक्षा केंद्रों पर होगी. एनटीए भी नकल रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग कर रहा है. जिसमें सीसीटीवी कैमरे की मदद से की जा रही रिकॉर्डिंग के आधार पर कैंडिडेट के व्यवहार का आंकलन एआई की नॉन-इंट्रूसिव तकनीक से होगा. उन्होंने बताया कि संभावित गड़बड़ी करने वाले कैंडिडेट की पहचान इस तरह की जाएगी. एग्जाम के बाद कैंडिडेट के उत्तर दिए जाने के पैटर्न का भी एआई से एनालिसिस किया जाएगा. उत्तर देने में अनियमितता का आंकलन कर कैंडिडेट के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा. एनटीए के आंकड़ों के अनुसार मोटे तौर पर एक शिफ्ट में लगभग 1.20 से 1.25 लाख कैंडिडेट शामिल होते हैं. ऐसी स्थिति में अप्रैल सेशन में करीब 11 लाख कैंडिडेट शामिल होंगे. हालांकि जनवरी व अप्रैल सेशन के मिलाकर यूनिक कैंडिडेट 15 लाख से ज्यादा हो सकते हैं.

2.19 किसानों को राहत, लोन की पेनल्टी बचाई खरीफ फसल के लोन पर नहीं देनी पड़ेगी पेनल्टी; भुगतान के लिए 30 जून तक का समय दिया



24 न्यूज अपडेट

राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए साल 2024 खरीफ फसल के लोन को वापस चुकाने की समय-सीमा में बढ़ोतरी की है। किसान अब इस अल्पकालीन ब्याज मुक्त लोन को 30 जून या लोन लेने की अवधि 12 माह पूरे होने तक जमा करवा सकेंगे। सरकार के इस निर्णय से 2.19 लाख से अधिक किसान को फायदा होगा, जिन पर लोन नहीं चुकाने के कारण 2 फीसदी की दर से पेनल्टी लग रही थी।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बताया- वित्त विभाग से स्वीकृति मिल गई है। केन्द्रीय सहकारी बैंकों के जरिए से खरीफ-2024 में लोन लेने वाले किसान अब इस साल 30 जून या लोन लेने की तारीख से 12 माह जो भी पहले हो लोन राशि चुका सकेंगे। इससे पहले किसानों को ये लोन चुकाने के लिए आखिरी समय 31 मार्च रखा गया था, जिसे अब बढ़ा दिया है। सरकार ने किसानों की मांग को देखते हुए ये निर्णय किया।

778 करोड़ रुपए का लोन है बकाया

मंत्री ने बताया- 31 मार्च तक प्रदेशभर के करीब 2.19 लाख किसान ऐसे थे, जो लोन चुका नहीं पाए थे और इन पर पेनल्टी लग रही थी। ये पेनल्टी 2 फीसदी की दर से देनी पड़ती। लेकिन राज्य सरकार ने किसानों को राहत देते हुए तारीख बढ़ा दी, जिससे अब किसानों को पेनल्टी नहीं देनी पड़ेगी। मंत्री ने बताया कि इन किसानों का करीब 778 करोड़ रुपए का लोन बकाया चल रहा है।

रेलवे ने सभी वस्तुओं में 1.68% की वृद्धिशील लोडिंग दर्ज की, घरेलू कंटेनर की लोडिंग में 19.72% की मज़बूत वृद्धि



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। भारतीय रेलवे थोक वस्तुओं के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है जो उद्योग और ऊर्जा के लिए आवश्यक हैं - बिजली संयंत्रों के लिए कोयला, विनिर्माण और निर्माण के लिए लौह अयस्क और तैयार स्टील, सीमेंट, राष्ट्रीय वितरण के लिए खाद्यान्न, कृषि के लिए उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों। लंबी दूरी और थोक वस्तुओं के लिए, रेल परिवहन सड़क परिवहन की तुलना में अधिक किफ़ायती रहा है। यह व्यवसायों के लिए समग्र रसद लागत को कम करने में मदद करता है, जिससे भारतीय सामान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाता है। इसके अलावा, रेलवे देश भर में खानों, कारख़ानों, कृषि क्षेत्रों और बंदरगाहों को बाजारों से जोड़ता है, जिससे निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला सक्षम होती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेलवे ने लगभग 1617.38 मीट्रिक टन प्रारंभिक माल ढुलाई हासिल की, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1590.68 मीट्रिक टन की तुलना में, 26.70 मीट्रिक टन (1.68%) की वृद्धिशील लोडिंग दर्ज की। घरेलू कोयले के लिए लोडिंग में 7.4% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि घरेलू कंटेनर के लिए लोडिंग में 19.72% की वृद्धि दर्ज की गई। उर्वरक के लिए लोडिंग में 1.25% की वृद्धि दर्ज की गई। पीओएल लोडिंग ने 0.61% की वृद्धि दर्ज की। गनी बोरे, हॉट रोल्ड कॉइल, सिरेमिक टाइलें, वॉल केयर पुट्टी और चावल घरेलू कंटेनर में पांच प्रमुख वस्तुएं हैं। क्षेत्रीय रेलवे द्वारा प्राप्त लोडिंग के संदर्भ में, पूर्व रेलवे ने 16.11 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने 7.28% की वृद्धि हासिल की। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 4.21% की वृद्धि हासिल की। उत्तर रेलवे ने 3.89% की वृद्धि हासिल की। पूर्व मध्य रेलवे ने 2.82 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। दक्षिण मध्य रेलवे ने 2.14% की वृद्धि हासिल की। पूर्व तटीय रेलवे ने 1.19% की वृद्धि हासिल की। दक्षिण रेलवे ने 0.80% की वृद्धि हासिल की। दक्षिण पूर्व रेलवे ने 0.36% की वृद्धि हासिल की। भारतीय रेलवे द्वारा कोयले की प्रभावशाली लोडिंग के कारण, भारत में पावर हाउसों का स्टॉक 57 मीट्रिक टन तक पहुंचाया गया।

पुष्कर के गया कुंड में मंगला चौथ पर लगा मेलाः श्रद्धालुओं ने पितरों के निमित्त किया श्राद्ध कर्म, कुंड में लगाई डुबकी



24 न्यूज अपडेट

अजमेरः पुष्कर के निकट सुधाबाय नामक स्थान पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंगला चौथ पर पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया और पवित्र गया कुंड में डुबकी लगाई. यहां लगने वाले मेले में प्रदेशभर से श्रद्धालु आते हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुधाबाय का जुड़ाव भगवान राम से भी है. यहां भगवान राम ने अपने पिता दशरथ का श्राद्ध किया था. इसलिए यह स्थान और भी पवित्र बन गया है. मान्यता यह भी है कि मंगला चौथ के दिन यहां गयाजी आकर बिराजती हैं. जिससे यहां पूर्वजों के निमित्त किए गए सभी अनुष्ठान फलीभूत होते हैं. इस पावन स्थान पर पितृ दोष, प्रेत बाधा और अन्य व्याधियों का भी निवारण होता है और लोग अपने जीवन में खुशियां लेकर लौटते हैं. मान्यता है कि भगवान राम ने पत्नी संग अपने पिता का श्राद्ध पुष्कर के सुधाबाय में किया था. इस स्थान को गया कुंड के नाम से भी जाना जाता है. मंगला चौथ (मंगलवार को आने वाली चौथ तिथि) पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. श्रद्धालु अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म के लिए ही नहीं बल्कि भूत-प्रेत बाधा, जादू-टोना, पितृ दोष आदि व्याधियों से मुक्ति के लिए भी आते हैं. इसे भूतों का मेला भी कहा जाता है. गया कुंड में तीर्थ पुरोहित पंडित नरेश पाराशर बताते हैं कि भगवान राम ने ऋषि लोकस के आचार्यत्व में कुंड के इस पवित्र जल में अपने दिवंगत पिता राजा दशरथ का श्राद्ध और पिंडदान किया था. इसलिए यहां के जल को वरदान है. पंडित पाराशर ने बताया कि मंगलवार की चौथ और चैत्र शुक्ल पक्ष की तिथि में शुभ नक्षत्र रहते हैं. इस दौरान पितरों की शांति के निमित्त किए गए श्राद्ध कर्म, पितृ दोष और प्रेत बाधाओं से मुक्ति के लिए यहां किए गए अनुष्ठान फलीभूत होते हैं. उन्होंने बताया कि शास्त्रों में उल्लेख है कि मंगल चौथ के दिन गयाजी का यहीं वास रहता है. पिता के हाथ हुए दर्शनः तीर्थ पुरोहित पंडित राजाराम पाराशर ने बताया कि ऋषि अत्रि के कहने पर भगवान राम ने सीता माता और भाई लक्ष्मण के साथ मिलकर अपने दिवंगत पिता राजा दशरथ का यहां श्राद्ध किया था. बालू मिट्टी के पिंड बनाकर विधि पूर्ण पिंडदान किया. बताया जाता है कि इस विधि के दौरान भगवान राम, लक्ष्मण और सीता को उनके पिता दशरथ के हाथ के दर्शन भी हुए थे. उसके बाद ऋषियों को भोजन करवाते समय भी ऋषियों के पीछे राजा दशरथ और उनके पितामह की छवि उन्हें नजर आई थी. जल में है दिव्य शक्तिः मान्यता है कि गया कुंड के जल में दिव्य शक्ति है. इस कुंड में स्नान करने से भूत-प्रेत जैसी बाधाओं से मुक्ति मिलती है. नेमीशरण्यम से आए श्रद्धालु रामदास, गायत्री परिवार से जुड़े हुए हैं.' उन्होंने बताया कि पुष्कर के गया कुंड में गायत्री माता का वास है. हम सभी श्रद्धालुओं के लिए यह दिव्य जल है और दुष्ट आत्माओं के लिए जलता हुआ अग्नि कुंड है. उन्होंने कहा कि भारत में कई जागृत स्थान है, उनमें से एक गया कुंड है. जिसको गायत्री कुंड भी कहा जाता है. मंगलवार चौथ के दिन माता गायत्री का वास कुंड के जल में होता है. रामदास का मानना है कि इस कुंड के जल में स्नान करने से व्यक्ति की सभी व्याधियां दूर हो जाती हैं.

17 बरस की दुल्हन, शादी रुकवाई, बैरंग लौटी बारात



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। डूंगरसारण पंचायत के खोकरवा गांव में साढ़े 17 साल की नाबालिग की शादी करवाई जा रही थी। बारात आ गई थी और पुलिस के पहुंचते ही हड़कंप मच गया। चाइल्ड हेल्प लाइन, सृष्टि सेवा संस्थान और पुलिस ने मिलकर एक बाल विवाह रुकवाया है।।च में दुल्हन के नाबालिग पाए जाने पर पुलिस ने विवाह रुकवा दिया और बारात बैरंग लौटा दी। वहीं, परिजनों को लड़की के बालिग होने के बाद ही शादी करवाने के लिए पाबंद किया गया। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक कल्पित शर्मा ने बताया कि डूंगरसारण पंचायत के खोकरवा गांव में एक नाबालिग लड़की के शादी करवाने की सूचना चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 पर मिली थी। इस पर चाइल्ड हेल्प लाइन के समन्वयक मेहुल शर्मा ने पुलिस, प्रशासन ओर सृष्टि सेवा समिति को सूचना दी। सभी टीम एक साथ खोकरवा गांव पहुंची। उस समय बारात दुल्हन के घर पर आ गई थी। बैंड के साथ ही शादी की तैयारियां चल रही थी। बाराती भी सजे धजे मस्ती में थे, लेकिन पुलिस, चाइल्ड लाइन की टीम के आते ही हड़कंप मच गया। पुलिस ओर चाइल्ड लाइन ने दुल्हन के जन्म को लेकर डॉक्यूमेंट मांगे। जांच में दुल्हन की उम्र साढ़े 17 साल पाई गई। जिस पर टीम ने बाल विवाह करवाने पर पाबंदी लगा दी। पुलिस ने लड़की के बालिग होने के बाद ही शादी करवाने के लिए पाबंद किया। वही बारात को वापस बैरंग लौटाया।

बस चालकों से हर महीने 8-10 लाख की वसूली, मना करने पर करवाते पथराव, 15 साल से चल रहा खेल, 4 गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राजधानी जयपुर में निजी बस चालकों से अवैध वसूली के करीब 15 साल से चल रहे खेल का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनके कब्जे से करीब 45 हजार रुपए नकद और एक स्कॉर्पियो जब्त की है. जयपुर (पश्चिम) डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि डीएसटी प्रभारी को जयपुर में चौमूं पुलिया के पास बस चालकों से अवैध रूप से वसूली की जानकारी मिली थी. इस पर एक विशेष टीम बनाकर पुलिस ने गिरोह की गतिविधियों को स्पाई गैजेट्स में रिकॉर्ड किया गया.

उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया कि इस गिरोह के बदमाश बस संचालकों से अवैध वसूली करते हैं और राशि नहीं देने पर बस पर अपने साथियों से पत्थर फिंकवाते हैं. इस गिरोह के बदमाश शिफ्ट में काम करते और हर महीने बस चालकों से 8-10 लाख रुपए की वसूली करते हैं. इस गिरोह का खुलासा करते हुए मकराना हाल निवारू रोड पर हनुमान नगर निवासी भगवान सिंह, थोई (नीमकाथाना) निवासी श्यामवीर सिंह, नींदड़ निवासी विक्रम सैन उर्फ विक्की उर्फ बोगी और जुराठढा (सीकर) निवासी हाल जोडला पावर हाउस निवासी दिलीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है. जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.

उन्होंने बताया कि अवैध वसूली की जानकारी मिलने पर एसआई सुरेंद्र सिंह, कांस्टेबल सागर और नीरू पांडे की टीम का गठन किया गया. इस टीम ने 28 और 29 मार्च को चौमूं पुलिया व आसपास के स्थानों पर गोपनीय रूप से रैकी की. इस टीम ने स्पाई गैजेट्स की मदद से गिरोह के बदमाशों द्वारा की जा रही वसूली को रिकॉर्ड किया. जांच में सामने आया है कि गिरोह के बदमाश चौमूं पुलिया पर सवारियां लेने के लिए रुकने वाली निजी बसों से हर बार 50-100 रुपए की वसूली करते हैं. राशि नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देते हैं और रास्ते में जहां भी मौका मिलता है बस पर पथराव कर देते हैं.

खौफ इतना की कोई शिकायत तक नहीं करताः उन्होंने बताया कि इस गिरोह के बदमाश करीब 15 साल से लगातार वसूली कर रहे हैं. ये रुपए नहीं देने पर बस पर चौमूं पुलिया से सामोद के बीच कहीं भी पथराव करवा देते हैं. उन्होंने बताया कि बसों पर कई बार पथराव की घटनाएं होती हैं. लेकिन बदमाशों के डर के कारण कोई भी बस चालक या संचालक पुलिस तक शिकायत नहीं देता है. इस गिरोह के बदमाश शिफ्ट में काम करते हैं. इन्होंने अवैध वसूली कर वाहन खरीदे और संपत्ति भी खरीदी. जिनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है.

उदयपुरवाटी शमशान घाट में मधुमक्खियों का हमला, 20 से ज्यादा लोग घायल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुरवाटी के शमशान घाट में मधुमक्खियों के हमले से हड़कंप मच गया. इस हमले में 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है.

स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना तब हुई, जब शमशान घाट में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी. अचानक वहां मौजूद पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते से हजारों मधुमक्खियां बाहर आ गईं और वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया. देखते ही देखते भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे, लेकिन कई लोग मधुमक्खियों के डंक से गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को तुरंत 108 एंबुलेंस की सहायता से स्थानीय सरकारी अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल प्रशासन ने घायलों का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया है. उदयपुरवाटी अस्पताल प्रभारी डॉ अभिषेक गुप्ता के अनुसार कुछ लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है, लेकिन सभी को सुरक्षित रखने के लिए उचित उपचार दिया जा रहा है.

शमशान घाट में मधुमक्खियों के हमले से दहशत का माहौल बन गया. ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि शमशान घाट के आसपास लगे मधुमक्खियों के छत्तों को जल्द से जल्द हटाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके. गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में प्रदेश के कई इलाकों में मधुमक्खियों के हमले के मामले सामने आए हैं. इनमें कई लोग घायल हुए. हालांकि प्राथमिक उपचार के बाद कमोबेश सभी ठीक हो गए.

ग्रीष्मावकाश पर यात्रियों की सुविधा हेतु 3 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसारः- 4191/04192, मथुरा-गंगापुर सिटी-मथुरा प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा गाडी संख्या 04191, मथुरा-गंगापुर सिटी प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा दिनांक 01.04.25 से 30.06.25 तक (91 ट्रिप) मथुरा से प्रतिदिन 16.15 बजे रवाना होकर 22.55 बजे गंगापुर सिटी पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04192, गंगापुर सिटी-मथुरा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 01.04.25 से 30.06.25 तक (91 ट्रिप) गंगापुर सिटी से प्रतिदिन 23.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 07.00 बजे मथुरा पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग मे गोवर्धन, डींग, ब्रजनगर, गोविन्दगढ, रामगढ, अलवर, राजगढ, बांदीकुई, दौसा, नांगल राजावतान, लालसोट, मंडावरी, पिपलाई व बामनवास स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 03 द्वितीय शयनयान, 06 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित 12 डिब्बे होगे। 01919/01920, आगराकैंट-असारवा-आगराकैंट प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा - गाडी संख्या 01919, आगराकैट-असारवा प्रतिदिन स्पेषल रेलसेवा दिनांक 01.04.25 से 30.06.25 तक (91 ट्रिप) आगराकैट से प्रतिदिन 23.00 बजे रवाना होकर अगले दिन 16.35 बजे असारवा पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 01920, असारवा-आगराकैंट प्रतिदिन स्पेषल रेलसेवा दिनांक 02.04.25 से 01.07.25 तक (91 ट्रिप) असारवा से प्रतिदिन 18.00 बजे रवाना होकर अगले दिन 10.20 बजे आगराकैंट पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में फतेहपुर सीकरी, बयाना, गंगापुर सिटी, सवाईमाधोपुर, केशोराय पाटन, बुन्दी, मांडलगढ, चंदेरिया, मावली, उदयपुर सिटी, जावर, डूंगरपुर व हिम्मतनगर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 03 थर्ड एसी, 10 द्वितीय शयनयान, 08 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित 24 डिब्बे होगे।

01905/01906, कानपुर सेट्रल-असारवा-कानपुर सेट्रल प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा गाडी संख्या 01905, कानपुर सेट्रल-असारवा प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा दिनांक 07.04.25 से 30.06.25 तक (13 ट्रिप) कानपुर सेट्रल से प्रतिदिन 08.00 बजे रवाना होकर 05.45 बजे असारवा पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 01906, असारवा-कानपुर सेट्रल प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा दिनांक 08.04.25 से 01.07.25 तक (13 ट्रिप) असारवा से प्रतिदिन 09.15 बजे रवाना होकर अगले दिन 07.00 बजे कानपुर सेट्रल पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में इटावा, फिरोजाबाद, टूण्डला, ईदगाह, फतेहपुर सीकरी, बयाना, गुंगापुर सिटी, सवाईमाधोपुर, केशोराय पाटन, बुन्दी, मांडलगढ, चंदेरिया, मावली, उदयपुर सिटी, जावर,डूंगरपुर व हिम्मतनगर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 04 द्वितीय शयनयान, 08 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित 20 डिब्बे होगे।

50 लाख की नकबजनी का खुलासा, 6 आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ाः जिले की करेड़ा थाना पुलिस ने चार दिन पूर्व हुई एक ज्वेलर्स की दुकान में लगभग 50 लाख की चोरी की घटना का खुलास करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है. वहीं, घटना में प्रयुक्त कार, गैस कटर व गैस सिलेंडर को भी जब्त किया है.

भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि चोरी, नकबजनी की वारदातों के खिलाफ प्रभावी कारवाई के लिए भीलवाड़ा जिले के समस्त पुलिस अधिकारी को सख्त निर्देश दिया गया है. गंगापुर के एएसपी रोशन लाल पटेल के सुपरविजन में भीलवाड़ा जिले की करेड़ा थाना प्रभारी पूरणमल मीणा के नेतृत्व में पुलिस व साइबर सेल की विशेष टीम का गठन किया गया.

29 मार्च को करेड़ा कस्बा निवासी गौतम कुमार रांका ने करेड़ा पुलिस स्टेशन पर उपस्थित होकर अपनी ज्वेलर्स की दुकान से उसी दिन अल सुबह में 250 ग्राम सोना व 35 से 40 किलो चांदी के जेवरात सहित नकदी चोरी होने की रिपोर्ट दी थी.

जिस पर करेड़ा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की और परंपरागत पुलिसिंग के साथ ही मुखबिर के जरिए लगातार क्षेत्र में सूचनाओं का संकल्न करने के साथ ही सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए. इस दौरान मोबाइल लोकेशन के आधार पर संदिग्ध संजय आचार्य को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने घटना को अंजाम देना कबूल किया.

जिसके बाद पुलिस ने करेड़ा कस्बा निवासी संजय आचार्य, दीपक आचार्य, भीलवाड़ा जिले की पुर थाना निवासी महेश बिश्नोई, कुंदन सिंह, लोकेंद्र सिंह व शुभम को गिरफ्तार किया है. नकबजनी की वारदात को अंजाम देने वाला मुख्य सरगना संजय आचार्य न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा में जमानत पर है.

गैस कटर से शटर काटकर चोरी करने वाले गिरफ्तारः ज्वेलरी शॉप को बनाया था निशाना, 6 को पकड़ा; वैन, कटर-सिलेंडर बरामद



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा के करेड़ा थाना क्षेत्र में ज्वेलर्स की शॉप में हुई लूट और नकबजनी की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए इसके मुख्य सरगना सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मारुति कार, गैस कटर और एक गैस सिलेंडर भी बरामद किया है।

करेड़ा थाना प्रभारी पूरणमल मीणा ने बताया-करेड़ा में रहने वाले गौतम रांका ने एक रिपोर्ट दी थी जिसमें उसने बताया कि उसकी शनि मंदिर के पास आनंद ज्वेलर्स नाम से सोने चांदी की दुकान है। 29 मार्च को रात करीब 2:20 बजे चोर गैस कटर से दुकान का शटर काटकर दुकान में घुसे। सोने चांदी के जेवरात जिसमें करीब ढाई सौ ग्राम सोना, 35 से 40 किलो चांदी और 65 से 70 हजार कैश चुरा ले गए थे।

टीम का गठन कर लगातार मॉनिटरिंग

इस रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और किया और एक टीम का गठन किया । इस टीम ने परंपरागत पुलिसिंग वैज्ञानिक टेक्नीक और मुखबिर की सूचना के बाद लगातार डेटा कलेक्शन किया, अपराधियों पर मॉनिटरिंग की ।उनके मोबाइल नंबर और सीडीआर डेटा कलेक्ट कर उसका एनालिसिस किया गया। इस वारदात की तरह ही पूर्व में लूट-हत्या और चोरी के मामलों में शामिल डाउटफुल क्रिमिनल की पहचान की गई।

मुख्य सरगना को पकड़ा तो बताए अन्य साथियों के नाम

इसके बाद एक बदमाश संजय आचार्य को डिटेन किया और पूछताछ की तो उसने ज्वेलर्स की दुकान के शटर को गैस कटर से काटकर चोरी की वारदात करना कबूल किया।इस घटना में संजय के साथ दीपक, महेश, कुंदन, लोकेंद्र और शुभम भी शामिल थे।

पुलिस ने इन सभी को डिटेन किया । पुलिस ने वारदात में काम में ली गई मारुति कार,गैस कटर और सिलेंडर बरामद किया है।पुलिस आरोपियों से डिटेल पूछताछ कर दुकान से चोरी हुए सोने-चांदी के जेवरात और कैश बरामद करने के प्रयास में लगी है।

इनको किया गिरफ्तार

पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने में मुख्य सरगना संजय पुत्र सांवरमल आचार्य निवासी करेड़ा, दीपक पिता गौरीशंकर आचार्य निवासी करेड़ा, महेश पिता प्यार चंद बिश्नोई निवासी पुर, कुंदन सिंह पिता उमराव सिंह निवासी पुरवातों का अकोला, लोकेंद्र सिंह पिता गणपत सिंह निवासी करेड़ा, शुभम पुत्र अशोक बिश्नोई निवासी पुर को गिरफ्तार किया है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में उदयपुर जिले के 76 हजार जनजाति किसानों को 18 करोड की राशि मिली



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत राजस्थान में अनुसूचित जनजाति के 10 लाख 40 हजार 966 किसानों को 244 लाख 85 हजार रुपए की धनराशि आबंटित की गई। विशेष रूप से उदयपुर जिले में इस योजना के तहत अनुसूचित जनजाति के 76 हजार 165 किसान लाभान्वित हुए जिन्हें 18 करोड रुपए की धनराशि जारी की गई। सांसद मन्नालाल रावत द्वारा लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न पर कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर की ओर से यह जानकारी दी गई। सांसद श्री रावत ने विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जनजाति के किसानों के बारे में जानकारी मांगी थी। कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री ने बताया कि सरकार, किसानों को मूल्य समर्थन प्रदान करने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और अन्य नामित राज्य एजेंसियों के माध्यम से अनाज और मोटे अनाज की खरीद करती है। जब दलहन, तिलहन और कोपरा का बाजार मूल्य एमएसपी से कम हो जाता है, तब संबंधित राज्य सरकारों के परामर्श से प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) की समग्र योजना के अंतर्गत मूल्य समर्थन योजना के तहत इन उत्पादों की खरीद की जाती है। 2014-15 से 2024-25 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान, सरकार ने 14.08 लाख करोड़ एमएसपी मूल्य के 7574.18 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान और 5.65 लाख करोड़ एमएसपी मूल्य के 3057.38 एलएमटी गेहूं की खरीद की है। इसी अवधि के दौरान, क्रमशः 92.8 हजार करोड और 61.8 हजार करोड़ एमएसपी मूल्य के 172.47 एलएमटी दलहन और 121.48 एलएमटी तिलहन की खरीद की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में उदयपुर जिले में अनुसूचित जनजाति के 76 हजार 165 किसान लाभान्वित हुए जिन्हें 18 करोड रुपए की धनराशि जारी की गई। इसी तरह सलूंबर जिले में 32 हजार 150 किसानों को 7 करोड 38 लाख तथा प्रतापगढ जिले के 52 हजार 522 किसानों को 12 करोड 37 लाख रुपए की धनराशि आबंटित हुई।

46 गांव के 713 किसानों ने तुलवाई अफीमः जिला मुख्यालय पर पहले और दूसरे डिवीजन का हो रहा तौल; 8 किलो से ज्यादा अफीम होल्ड



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़ के नारकोटिक्स विभाग के तीनों डिवीजन के अफीम तौल का काम आज मंगलवार से शुरू हो चुका है। पहले दिन 46 गांव से 713 किसानों ने अफीम तुलवाई। आज कुल 5856.77 किलो अफीम विभाग द्वारा एकत्रित की गई। इस बार किसानों को पूरा भुगतान एनालिसिस के बाद किया जाएगा। पहले दिन फर्स्ट डिवीजन में एकत्रित की गई अफीम को नीमच फैक्ट्री के लिए रवाना कर दिया गया। वहीं, दूसरे और तीसरे डिवीजन की अफीम को बुधवार या गुरुवार को भेजा जाएगा। इधर, बुधवार को 1384 किसान अपनी अफीम तुलवाने आएंगे।

एक किसान की अफीम रही सस्पेक्टेड

चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर पहले और दूसरे डिवीजन का अफीम तौल किया जा रहा है। जबकि तीसरे डिवीजन का अफीम तौल निंबाहेड़ा में किया जा रहा है। पहले दिन की बात करें तो सिर्फ तीसरे डिवीजन में एक किसान की अफीम सस्पेक्ट मिली। उसके पास 8 किलो 900 ग्राम अफीम थी जिसे होल्ड कर दिया गया।

पहले दिन में एकत्रित की अफीम

अफीम तौल के पहले दिन फर्स्ट डिवीजन के 18 गांव से 210 किसान अपने-अपने अफीम को स्टील के कंटेनर में लेकर पहुंचे। इसके बाद उस अफीम को विभाग के कंटेनर में शिफ्ट किया गया। 210 किसानों से 1749.420 किलो अफीम विभाग ने अपने पास रख ली। पहले दिन भदेसर, बस्सी और चित्तौड़गढ़ से किसान मुख्यालय आए थे। पहले डिविजन के 200 कंटेनर नीमच के लिए रवाना कर दिया गया है। जबकि 10 कंटेनर को गोदाम में रख लिया गया है जिसे बुधवार को एकत्रित किए गए अफीम के साथ ही भेजा जाएगा। इसी तरह, दूसरे डिवीजन के 19 गांव से 338 किसान अपने अपने अफीम लेकर मुख्यालय आए। यहां उन्होंने 2794.400 किलो अफीम विभाग को दी। पहले दिन डूंगला, कपासन और भोपालसागर से किसान अपनी अफीम लेकर पहुंचे थे। सेकेंड डिवीजन के अफीम को बुधवार या गुरुवार को भेजेंगे।

वहीं, तीसरे खंड से निंबाहेड़ा से 6 गांव के 165 किसान अपने अफीम तुलवाने के लिए पहुंचे। यहां उन्होंने विभाग को 1312.950 किलो अफीम दी है। अभी अफीम को गोदाम में रखा गया है। दो-तीन दिन के अफीम एकत्रित करने के बाद ही उसे नीमच भेजा जाएगा। तीनों डिवीजन के 1384 किसान अपनी अफीम लेकर केंद्र पर आएंगे।

हाइटेंशन-लाइन की चिंगारी से चारागाह भूमि पर लगी भीषण आग लपटों से पशु- पक्षी झुलसे; फायर बिग्रेड ने 4 घंटे में पाया काबू



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा में मंगलवार को 33केवी हाइटेंशन लाइन से चिंगारी गिरने के कारण चारागाह भूमि पर भीषण आग लग गई। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली और करीब एक किलोमीटर तक एरिया जद में ले लिया। सूचना पर फायर बिग्रेड की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब 4 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र के सलाइवाडी, सूरजपुर और गणेशपुर गांव में करीब एक बजे हुई। ग्रामीण सूरज माली के अनुसार- गांवों की चारागाह भूमि के ऊपर से हाइटेंशन लाइन गुजर रही है। संभवतया हाइटेंशन लाइन से चिंगारी गिरने से हादसा हुआ और सूखी झाड़ियों में आग लग गई। ग्रामीणों ने आग और रेत डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन उसके विकराल रूप को देखकर फायर बिग्रेड की टीम को सूचना दी। मौके पर गंगापुर और भीलवाड़ा से पहुंची फायर बिग्रेड की एक- एक गाड़ी ने करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग से चारागाह भूमि पर लगे पेड़- पौधे जल गए और कई पशु- पक्षी भी झुलस गए। मौके पर ग्रामीणों ने पशु-पक्षियों को संभाला और उनका प्राथमिक उपचार किया।

मोबाईल झपट्टा मारी के तीन आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, चित्तौड़गढ़। कस्बा निम्बाहेड़ा में गत 27 मार्च को अज्ञात बदमाशों द्वारा कल्याण चौक से एक महिला व आदर्श कॉलोनी से एक व्यक्ति से स्नैचिंग के मामले में तीन आरोपीयों को गिरफ्तार किया है । दो मोबाइल बरामद तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले के थाना सर्कल में चोरी, स्नैचिंग की संगीन आपराधिक घटनाओं के मददेनजर रखते हुऐ सक्रिय गैंग को चिन्हित कर वारदातों में लिप्त अपराधियों को पकडने के लिए सरिता सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं बद्रीलाल राव पुलिस उप अधीक्षक निम्बाहेड़ा के निकटतम पर्यवेक्षण में रामसुमेर मीणा थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेडा के नेतृत्व में एएसआई देवेन्द्र सिंह, हैडकानि हरविन्द्र सिंह ,कानि. धर्मेन्द्र , हेमन्त , शिशपाल , विजय सिंह की एक टीम गठित की गई।घटनाः-दिनांक 28 मार्च 2025 को प्रार्थीया अंजू सनाढ्य पत्नि नितिन सनाढ्य उम्र 53 साल जाति ब्राहम्ण आर.के. कॉलोनी निम्बाहेडा थाना कोतवाली निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ़ ने रिपोर्ट पेश की कि दिनांक 27 मार्च 2025 को शाम कल्लाजी मंदिर से मैं दर्शन करके अपने आर. के. कॉलोनी स्थित मकान पर जा रहे थे कि रास्ते मे गली नम्बर 06 के सामने पहुंचे कि कल्याण चौक की तरफ से एक मोटर साईकिल पर तीन लोग सवार होकर मेरे पिछे से आये मेरे हाथ में मोबाइल था जिसको मोटर साईकिल पर बीच में बैठे व्यक्ति ने झपट कर मोटर साईकिल पर सवार तीनो व्यक्ति सामने जे. के. वाले रोड की तरफ चले गये। घटना का समय करीब 6.20 पी.एम., थी। तथा करीब 7.15 पी.एम. पर वासवानी क्लिनिक के बाहर आदर्श कॉलोनी में ही चेतन प्रकाश जैन के साथ भी मोबाइल झपट मारी हुई है। वगैरा रिपोर्ट पर प्रकरण पंजिबद्ध कर अनुसंधान शुरू किया गया।

तरीका वारदात :-प्रकरण में अभियुक्तगण द्वारा मोटरसाईकिल पर आकर शाम के समय मन्दिर दर्शन व घुमने गयी महीला प्रार्थीया व एक अन्य व्यक्ति को एकान्त में देख कर उनके मोबाईल फोन झपटामार कर छिन कर भाग गये।

कार्यवाही पुलिसः-पुलिस टीम द्वारा अपराधियों की सरगर्मी से तलाश कर त्वरीत कार्यवाही करते हऐ संदिग्ध 1. विजय उर्फ बबलु मीणा पिता लाल बहादुर उर्फ लाल जाति मीणा उम्र 21 साल निवासी गंगा चौक पानी की टंकी के पास कासोद निम्बाहेड़ा थाना कोतवाली निम्बाहेडा 2. सन्नी उर्फ देवेन्द्र जाट पिता मदन लाल जाति जाट उम्र 19 साल निवासी आजाद चौक जाटो का मौहल्ला निम्बाहेडा थाना कोतवाली निम्बाहेडा व 3. देवकरण मीणा पिता तुलसीराम मीणा उम्र 19 साल निवासी कच्ची बस्ती अम्बेडकर भवन के पास निम्बाहेड़ा थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा को डिटेन कर उनके कब्जे से स्नेचिंग किये गये दो मोबाईल बरामद किए व घटना में उपयोग में ली गयी मोटरसाईकिल जब्त की गयी। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

फर्जी पट्टा घोटालाः मंगलवाड़ सरपंच गिरफ्तार, धोखाधड़ी का पर्दाफाश



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़ जिले के मंगलवाड़ में एक बड़े फर्जी पट्टा घोटाले का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें मंगलवाड़ के सरपंच/प्रशासक धनराज मीणा को गिरफ्तार किया गया है। उन पर ग्राम विकास अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर करके कई लोगों को अवैध पट्टे जारी करने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के अनुसार, 3 फरवरी 2023 को डूंगला के ग्राम विकास अधिकारी कुलदीप सिंह मीणा ने मंगलवाड़ थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि पंचायत समिति डूंगला के जांच अधिकारियों ने पट्टों के रिकॉर्ड की जांच की, जिसमें कई पट्टे फर्जी पाए गए। जांच में पाया गया कि शंकरलाल, मनीष सिसोदिया, दिलीप अग्रवाल, मांगीलाल अहीर, नारायण अहीर, सीता बाई मीणा और चंदा भावसार सहित कई लोगों को फर्जी पट्टे जारी किए गए थे। इन पट्टों पर ग्राम विकास अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर थे और उप तहसील कार्यालय में इनका पंजीकरण भी नहीं हुआ था।

पुलिस कार्रवाईः एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी देशराज कुलदीप के निर्देशन में मंगलवाड़ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सरपंच धनराज मीणा को गिरफ्तार किया। न्यायालय ने सरपंच को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है, ताकि इस घोटाले में शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। पुलिस फर्जी पट्टों से संबंधित अन्य शिकायतों की भी जांच कर रही है।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।